प्रश्न-1. एक सिविल सेवक के कार्यों में अभिवृत्ति की क्या भूमिका है? उदाहरण सहित समझाइए। (200 शब्द)

उत्तर: एक सिविल सेवक के लिए कर्तव्यों के निर्वहन और जनता के साथ संपर्क में अभिवृत्ति महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह निर्णय-निर्माण और व्यक्ति की समग्र प्रभावशीलता को प्रभावित करती है।

सिविल सेवक के कार्यों में अभिवृत्ति की भूमिका

- **लोक सेवा की मानसिकता:** लोक सेवा के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति काम में निष्पक्षता और जवाबदेही के प्रति प्रतिबद्धता के साथ जनता की सेवा करने की वास्तविक इच्छा उत्पन्न करती है।
  - **उदाहरण**- एक सिविल सेवक जो लोक सेवा के प्रति समर्पित है, वह नागरिकों की सहायता के लिए अतिरिक्त प्रयास और नवाचार करेगा, भले ही इसके लिए अथक प्रयास या समय लगे।
- **ईमानदारी और नैतिक आचरण:** ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रति अभिवृत्ति एक सिविल सेवक की नैतिक दिशा निर्धारित करती है।
  - यह सुनिश्चित करती है कि वे अपने काम में ईमानदारी के उच्चतम मानकों को बनाए रखें।
  - उदाहरण- एक मजबूत नैतिक अभिवृत्ति वाला अधिकारी भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी का विरोध करेगा, भले ही इसके लिए व्यक्तिगत जोखिम उठाना हो।
- **समानुभूति और करुणा:** कमजोर वर्गों के प्रति सिविल सेवकों की अभिवृत्ति उनके साथ व्यवहार को निर्धारित करती है।
  - दयालुतापूर्ण अभिवृत्ति संवेदनशीलता और करुणा के साथ कर्तव्यों का निष्पादन सुनिश्चित करती है।
  - **उदाहरण**- चुनाव के दौरान बुजुर्गों और विकलांगों के लिए विशेष सुविधाएँ प्रदान करना।
- **समस्या-समाधान और निर्णयन:** सकारात्मक अभिवृत्ति सिविल सेवकों को आशावादी और दृढ़ संकल्पित बनाती है। इससे वे समस्याओं का सामना करने में सक्षम होते हैं।
  - साथ ही यह मजबूत निर्णय निर्माण में उनके नैतिक साहस को बढ़ाती है।
  - **उदाहरण**- आपदाओं के दौरान दबाव में शांत रहना और पीड़ितों की पीड़ा को कम करने के लिए तत्काल निर्णय लेना।
- **निरंतर सीखना और सुधार:** सीखने की अभिवृत्ति निरंतर सुधार की ओर ले जाती है। सिविल सेवकों को अपने क्षेत्र में नवीनतम ज्ञान और कौशल के साथ अपडेट रहना चाहिए।
  - **उदाहरण**- कौशल वर्धन के लिए कार्यशालाओं और सम्मेलनों का आयोजन और उनमें भाग लेना।

एक सिविल सेवक की अभिवृत्ति अन्य हितधारकों के साथ उनके संबंधों को निर्धारित करती है। यह व्यक्तिगत के साथ-साथ सामूहिक उत्पादकता को भी प्रभावित करती है।

Chronicle IAS

प्रश्न-2. एक सिविल सेवक द्वारा निर्णय लेने में निष्पक्षता कैसे सुनिश्चित की जा सकती है? चर्चा कीजिए।
(125 शब्द)

❖ **उत्तर:** निष्पक्षता (Objectivity) का अर्थ है व्यक्तिगत पूर्वाग्रहों या बाह्य दबावों के बजाय तथ्यों, साक्ष्यों और जनता के सर्वोत्तम हितों के आधार पर निर्णय करना।

सिविल सेवक द्वारा निर्णयन में निष्पक्षता सुनिश्चित करना:

❖ स्वयं के पूर्वाग्रहों और पूर्वकल्पित धारणाओं के बारे में जागरूकता तथा अपने विचारों और कार्यों का नियमित रूप से आलोचनात्मक चिंतन।

❖ संभावित पूर्वाग्रहों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए सहकर्मियों, कर्मचारियों और जनता से सक्रियता से फीडबैक प्राप्त करना।
  ✦ **उदाहरण**- किसी सरकारी योजना के प्रदर्शन पर जनता की प्रतिक्रिया।

❖ निर्णय लेने से पहले सभी प्रासंगिक डेटा और जानकारी एकत्र करके साक्ष्य-आधारित निर्णय लेना।
  ✦ **उदाहरण**- सरकारी अनुबंध प्रदान करते समय तथ्यों पर विचार करना।

❖ जटिल मुद्दों की गहरी समझ हासिल करने के लिए विषय विशेषज्ञों से इनपुट प्राप्त करना।
  ✦ **उदाहरण**- किसी बीमारी के प्रकोप के प्रबंधन में स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सलाह लेना।

❖ निर्णय लेने की प्रक्रिया का स्पष्ट और सटीक रिकॉर्ड बनाए रखना, जिसमें विचाराधीन विकल्पों के पीछे का तर्क भी शामिल हो।

स्वयं और दूसरों के विचारों और कार्यों के प्रति तर्कसंगत और खुली मानसिकता, एक सिविल सेवक के लिए निर्णय लेने में निष्पक्षता सुनिश्चित कर सकती है।

Chronicle ias

प्रश्न-3. सिविल सेवकों को राजनीतिक तटस्थता के साथ पर्दे के पीछे से काम करना चाहिए। टिप्पणी कीजिए।
(200 शब्द)

उत्तर: सिविल सेवक स्थायी कार्यपालिका के रूप में कार्य करते हैं और उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे बिना सुर्खियों के गुमनाम रूप से काम करें। गैर-पक्षपातपूर्ण व्यवहार बनाए रखने के लिए उनके लिए राजनीतिक तटस्थता आवश्यक है।

राजनीतिक तटस्थता के साथ अव्यक्त तरीके से कार्य करना आवश्यक

- सिविल सेवक आम तौर पर पर्दे के पीछे काम करते हैं तथा राजनीतिक नेताओं को सलाह और सहयोग प्रदान करते हैं।
  - गुमनाम भूमिका उन्हें राजनीतिक परिणामों के डर के बिना स्पष्ट और वस्तुनिष्ठ सुझाव देने का अवसर देती है।
- वे नीतियों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिनमें से अधिकांशत: सार्वजनिक दृष्टि से दूर होते हैं।
  - प्रभावी शासन के लिए पर्दे के पीछे का यह काम आवश्यक है।
- सिविल सेवकों की प्राय: राष्ट्रीय सुरक्षा, सार्वजनिक सुरक्षा और व्यक्तिगत डेटा से संबंधित संवेदनशील जानकारी तक पहुंच होती है।
  - पर्दे के पीछे काम करने से वे इस जानकारी को सावधानीपूर्वक संभाल सकते हैं और इसे अनधिकृत पहुँच से बचा सकते हैं।
- सिविल सेवकों को अपनी व्यक्तिगत राजनीतिक मान्यताओं की परवाह किए बिना अपना कर्तव्य निभाना चाहिए।
  - सत्ता में किसी भी राजनीतिक दल की परवाह किए बिना नीतियों का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करना चाहिए।
- खुले तौर पर राजनीतिक राय व्यक्त करने से जनता के सभी सदस्यों की सेवा करने की उनकी क्षमता प्रभावित हो सकती है तथा प्रशासन में जनता का विश्वास कम हो सकता है।
  - सिविल सेवा का राजनीतिकरण हो सकता है।
- राजनीतिक तटस्थता सिविल सेवा में व्यावसायिकता और निष्पक्षता को बढ़ावा देती है, नैतिक आचरण की संस्कृति को मजबूत करती है।

स्वतंत्र निगरानी के साथ-साथ सिविल सेवकों के लिए स्पष्ट नैतिक दिशा-निर्देश और आचार संहिता स्थापित करने से उनकी राजनीतिक तटस्थता के साथ-साथ उनकी गुमनामी (anonymity) भी सुनिश्चित हो सकती है।

ChronicleIAS

प्रश्न-4. 'भावनात्मक समझ प्रशासन की छवि बनाती है और इसकी नींव को भी मजबूत करती है।' एक सिविल सेवक के संदर्भ में इस कथन पर चर्चा करें। (200 शब्द)

उत्तर: भावनात्मक समझ या भावनात्मक बुद्धिमत्ता, अपनी भावनाओं के प्रति जागरूक रहने, उन्हें नियंत्रित करने और व्यक्त करने तथा पारस्परिक संबंधों को विवेकपूर्ण और समानुभूतिपूर्वक संभालने की क्षमता है।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता प्रशासन की छवि का निर्माण किस प्रकार करती है?

- **प्रशासन के प्रति लोक धारणा में सुधार:** भावनात्मक समझ सिविल सेवकों को मानवीय स्तर पर नागरिकों से जुड़ने, उनकी चिंताओं को समझने और समानुभूति के साथ जवाब देने में सक्षम बनाती है।
  - इससे विश्वास बढ़ता है और प्रशासन की सार्वजनिक छवि में सुधार होता है।
  - जैसे-उच्च भावनात्मक समझ वाला सिविल सेवक लोगों की चिंताओं को सुनकर सार्वजनिक विरोध-प्रदर्शन को प्रभावी ढंग से संभाल सकता है।
- **प्रभावी संचार:** भावनात्मक समझ संचार कौशल को बढ़ाती है, जिससे सिविल सेवक नीतियों और निर्णयों को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं।
  - वे शिकायतों को प्रभावी ढंग से संबोधित करते हैं, और जनता के साथ तालमेल बनाते हैं।
- **सकारात्मक संपर्क:** भावनात्मक समझ चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी नागरिकों के साथ सम्मानजनक और विनम्र संवाद को बढ़ावा देती है।
  - यह एक सकारात्मक प्रभाव छोड़ती है और सरकारी सेवाओं के साथ जनता की संतुष्टि को बढ़ाती है।

प्रशासन की नींव को मजबूत करने मेन भूमिका

- **बेहतर निर्णयन:** भावनात्मक समझ सिविल सेवकों को उनके निर्णयों के भावनात्मक और सामाजिक निहितार्थों पर विचार करने में सक्षम बनाता है, जिससे अधिक संतुलित और प्रभावी नीतियाँ बनाती हैं।
- **मजबूत नेतृत्व:** सिविल सेवा के भीतर प्रभावी नेतृत्व के लिए भावनात्मक समझ आवश्यक है। भावनात्मक रूप से बुद्धिमान अधिकारी अपनी टीमों को प्रेरित कर सकते हैं, सहयोग को बढ़ावा दे सकते हैं और सकारात्मक कार्य वातावरण बना सकते हैं।
  - जैसे-उच्च भावनात्मक समझ वाले अधिकारी अपनी टीम की विविध आवश्यकताओं को समझकर चुनौतीपूर्ण लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।
- **अनुकूलनशीलता और लचीलापन:** भावनात्मक बुद्धिमत्ता चुनौतियों का सामना करने में अनुकूलनशीलता और लचीलापन बढ़ाती है।
  - भावनात्मक रूप से बुद्धिमान सिविल सेवक तनाव को बेहतर ढंग से प्रबंधित कर सकते हैं, बदलाव के अनुकूल हो सकते हैं और असफलताओं से जल्दी उबर सकते हैं।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता एक महत्वपूर्ण योग्यता है जो सीधे सिविल सेवक की सार्वजनिक भागीदारी और उत्पादकता को प्रभावित करती है। इसे निरंतर नैतिक और परिस्थितिजन्य प्रशिक्षण के साथ विकसित किया जा सकता है।

प्रश्न-5. अनुनय या धारणा एक ऐसा कौशल है जिसके लिए एक सिविल सेवक में अभिवृत्ति और अभिरुचि दोनों की आवश्यकता होती है। तर्क सहित व्याख्या कीजिए। (125 शब्द)

उत्तर: अनुनय (Persuasion), दूसरों के विचारों और कार्यों को प्रभावित करने की क्षमता है, जिसमें तर्क और तथ्यों का उपयोग किया जाता है।

अनुनय के लिए अभिवृत्ति और अभिरुचि दोनों की आवश्यकता क्यों?

अभिवृत्ति

- **जन हित में सच्चा विश्वास:** अनुनय सबसे प्रभावी होता है जब यह सार्वजनिक हित के लिए वास्तविक विश्वास के साथ उभरता है।
- **समानुभूति और समझ:** प्रभावी अनुनय के लिए दूसरों के दृष्टिकोण के प्रति खुले दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है।
- **अनुनय, एक लंबी प्रक्रिया:** अनुनय अक्सर एक लंबी प्रक्रिया होती है, इसके लिए धैर्य और दृढ़ता की आवश्यकता होती है जो सकारात्मक अभिवृत्ति के साथ आती है।
- **ईमानदार अभिवृत्ति:** सिविल सेवकों को सच्चाई का पालन करना चाहिए और भ्रामक दावे करने से बचना चाहिए। अनुनय करने की उनकी क्षमता के लिए ईमानदारी महत्वपूर्ण है।

अभिरुचि

- **उन्नत संचार कौशल:** स्पष्ट और संक्षिप्त संचार, सक्रियता से सुनना, और विभिन्न समूहों के लिए संचार को अनुकूलित करने की क्षमता अनुनय के लिए आवश्यक है।
- **वस्तुनिष्ठ और आलोचनात्मक चिंतन:** अनुनय का अर्थ है साक्ष्य द्वारा समर्थित सुविचारित तर्क प्रस्तुत करना है।
- **ज्ञान और विशेषज्ञता:** अनुनय के लिए विश्वसनीयता आवश्यक है जो नीति क्षेत्रों, प्रासंगिक कानूनों, विनियमों और प्रक्रियाओं की मजबूत समझ के साथ आती है।
- **संवाद और कूटनीति:** अनुनय में अक्सर आम राय और सहमति बनाना शामिल होता है।
  - सिविल सेवकों को कुशल वार्ताकार होने की आवश्यकता होती है, जो समझौता करने और समाधान ढूंढने में सक्षम हों।

लोक प्रशासन के जटिल वातावरण में सकारात्मक परिणाम प्राप्त करने के लिए अनुनय कौशल हेतु अभिवृत्ति और अभिरुचि का संयोजन आवश्यक है।

Chronicle IAS